# सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
## द्वितीय वर्ष कला (B. A. II)
## हिंदी
## ऐच्छिक (Optional) प्रश्नपत्र क्र.३
## सत्र क्र. ३ (Semester - ३)

## आधुनिक गद्य: कहानी एवं व्यावहारिक हिंदी
## अध्यापन वर्ष - २०१७-१८, २०१८-१९, २०१९-२०

**प्रस्तावना-**

उत्तरशती का हिंदी कहानी साहित्य विषय वैविध्य की दृष्टि से काफी समृध्द रहा है। तत्कालीन विभिन्न समस्याओं का चित्रण करना इन कहानियों का मुख्य उद्देश्य रहा है। इस काल की कुछ ऐसी ही चर्चित कहानियों का अध्ययन किए बिना इस काल के कहानी साहित्य का साहित्यिक मूल्यांकन करना उचित नहीं लगता है। नारी-विमर्श, दलित-विमर्श, आदिवासी-विमर्श और अन्य सामाजिक समस्याओं का चित्रण करने वाली कुछ कहानियों को सम्मिलित करने का मुख्य उद्देश्य पाठ्यक्रम गठन करने वाली समिति का रहा है।

**उद्देश्य-**

१. उत्तरशती की हिंदी कहानियों से छात्रों को अवगत करना।

२. समकालीन परिवेश और जीवन यथार्थ से परिचित कराना।

३. आधुनिकता बोध और नये मूल्यों के प्रति देखने का नज़रिया विकसित कराना।

४. कहानी कला के प्रति अभिरू चि और समीक्षा दृष्टि विकसित करना।

**अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम:**

१. **कहानी विविधा** - संपादक, डॉ. राणू कदम, डॉ. मारूती शिंदे और हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्य, दिव्या डिस्टीब्युटर्स, कानपुर

**अध्ययनार्थ कहानियाँ-**

| | | |
|---|---|---|
| १. डिप्टी कलेक्टर | - | अमरकांत |
| २. दुनिया की सबसे हसीन औरत | - | संजीव |
| ३. इक्कीसवीं सदी का पेड़ | - | मृदुला गर्ग |
| ४. फैसला | - | मैत्रेयी पुष्पा |

५. साँसों का तार - डॉ. उषा यादव

६. ख्वाजा, ओ मेरे पीर! - शिवमूर्ति

७. बली - स्वयं प्रकाश

८. आगे रास्ता बंद है - बिपिन बिहारी

९. संघर्ष - सुशिला टाकभौरे

१०. दुश्मन मेमना - ओमा शर्मा

११. फुलवा - रत्नकुमार सांभरिया

१२. बाज़ार में रामधन - कैलाश बनवासी

**२. व्यावहारिक हिंदी -**

(अ) विज्ञापन: अर्थ, परिभाषा और विज्ञापन लेखन

(आ) अनुवाद: अर्थ, परिभाषा और अनुवाद लेखन

(इ) संवाद कौशल

**संदर्भ-ग्रंथ सूची -**


१. हिंदी कहानी का विकास (भाग- १ और २) - गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

३. विज्ञापन पत्रकारिता - एन.सी. पंत, इंद्रजीत सिंह, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली- ११०००२

४. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क - डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊ स, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली- ११०००२

५. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन- डी. के. राव, लोक संस्कृति प्रकाशन, ४, अंसारी रोड, गली मुरारी लाल, दरियागंज, नई दिल्ली-११०००२

६. विज्ञापन- अशोक महाजन, हरियाना साहित्य अकादमी, पंचकूला

७. अनुवाद चिंतन: समस्या और समाधान- डॉ. अर्जुन चव्हाण

८. अनुवाद की भूमिका - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी

९. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

## प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

| | |
|---|---|
| प्रश्न १. बहुविकल्पी प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर) | १४ |
| प्रश्न २. लघुत्तरी प्रश्न (व्यावहारिक हिंदी पर) | १४ |
| प्रश्न ३. (अ) टिप्पणियाँ ( कहानियों पर) | ०८ |
| (आ) टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर) | ०६ |
| प्रश्न ४. दीर्घोत्तरी प्रश्न (कहानियों पर अंतर्गत विकल्प के साथ) | १४ |
| प्रश्न ५. दीर्घोत्तरी प्रश्न ( कहानियों पर) | १४ |
| **कुल अंक -** | **७०** |

**सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर**
**द्वितीय वर्ष कला (B. A. II)**
**हिंदी**
**ऐच्छिक (Optional) प्रश्नपत्र क्र.५**
**सत्र क्र.४**

**आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं व्यावहारिक हिंदी**

**अध्यापन वर्ष - २०१७-१८, २०१८-१९, २०१९-२०**

**प्रस्तावना:**

उपन्यास एक केंद्रीय विधा के रूप में स्थानापन्न हुआ है। हिंदी उपन्यास ने आधुनिक काल में नये आयामों को उद्घाटित किया है। उसने समकालीन जीवन के अनेक पहलुओं को उजागर करने का प्रयास किया है। उपन्यास ने अपनी विकास यात्रा में नारी-विमर्श, दलित-विमर्श, आदिवासी-विमर्श, भूमंडलीकरण और अन्य सामाजिक समस्याओं को प्रस्तुत किया है।

**उद्देश्य-**

१. आधुनिक हिंदी उपन्यास विधा से छात्रों को अवगत करना।

२. समकालीन परिवेश और जीवन यथार्थ से परिचित कराना।

३. आधुनिकता बोध और नये मूल्यों के प्रति देखने का नज़रिया विकसित कराना।

४. उपन्यास कला के प्रति अभिरूचि और समीक्षा दृष्टि विकसित करना।

**अध्ययनार्थ पाठ्क्रम:**

१. **दौड़** - ममता कालिया (उपन्यास)

वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-२०००

२. **व्यावहारिक हिंदी:**

*शब्द संपदा-*

(अ) समानार्थक शब्द (परिशिष्ट पर आधारित)

(आ) विपरितार्थक शब्द (परिशिष्ट पर आधारित)

(इ) अनेकार्थक शब्द (परिशिष्ट पर आधारित)

(ई) वाक्यांश के लिए एक शब्द (परिशिष्ट पर आधारित)

(उ) कहावतें और मुहावरे (परिशिष्ट पर आधारित)

**संदर्भ-ग्रंथ सूची -**


१. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय

२. भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास - डॉ पुष्पपाल सिंह

३. अंतिम दो दशकों का हिंदी साहित्य - सं. मीरा गौतम

४. ममता कालिया: व्यक्तित्व एवं कृतित्व - डॉ.फैमिदा बीजापुरे

५. स्त्री लेखन: स्वप्न और संकलन - रोहिणी अग्रवाल


**प्रश्नपत्र का स्वरु प एवं अंक विभाजन**

| | | |
|---|---|---|
| प्रश्न १. | बहुविकल्पी प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर) | १४ |
| प्रश्न २. | लघुत्तरी प्रश्न (व्यावहारिक हिंदी पर) | १४ |
| प्रश्न ३. | (अ) ससंदर्भ व्याख्या (उपन्यास पर) | ०८ |
| | (आ) टिप्पणियाँ ( उपन्यास पर) | ०६ |
| प्रश्न ४. | दीर्घोत्तरी प्रश्न (उपन्यास पर अंतर्गत विकल्प के साथ) | १४ |
| प्रश्न ५. | दीर्घोत्तरी प्रश्न (उपन्यास पर) | १४ |
| | **कुल अंक -** | ७० |

# सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
## द्वितीय वर्ष कला (बी. ए. भाग - २)
## हिंदी (ऐच्छिक)
## प्रश्नपत्र क्रमांक - ५
## चतुर्थ सत्र (Semester- ४)
## परिशिष्ट - १

### समानार्थक / पर्यायवाची शब्द

१) असुर - दनुज, दैत्य, दानव, निशाचार, निशिचर, राक्षस, रजनीचर, यातुधान।
२) आँख - अक्षि, लोचन, नेत्र, नयन, चक्षु, दृग।
३) आनन्द - आमोद, प्रमोद, हर्ष, प्रसन्नता, सुख, आल्हाद, उल्लास।
४) अनुपम - अनोखा, अपूर्व, अनूठा, अतुल, अद्वितीय और अद्भूत।
५) अश्व - घोडा, हय, सैन्धव, घोटक, वाजि, तुरंग।
६) अहंकार - मान, अभिमान, दम्भ, दर्प, गर्व, घमण्ड।
७) अध्यापक - शिक्षक, आचार्य, गुरू, व्याख्याता, प्रवक्ता।
८) आकाश - आसमान, व्योम, नभ, गगन, अम्बर, अनंत, शून्य।
९) इच्छा - चाह, कामना, मनोरथ, अभिलाषा, आकांक्षा, ईप्सा, वांछा।
१०) ओस - तुषार, हिमकण, हिमसीकर, हिमबिन्दु, तुहिनकन।
११) कमल - जलज, पंकज, सरोज, अम्बुज, सरसिज, राजीव, शतदल, अरविन्द, नीरज, कुशेशय, इन्दीवर।
१२) कामदेव - मदन, रतिपति, मार, स्मर, कन्दर्प, अनंग, पंचशर, मनसिज।
१३) किनारा - तीर, तट, कगार, कूल।
१४) गंगा - देवनदी, सुरसरिता, भागीरथी, जान्हवी, मन्दाकिनी।
१५) गणेश - गणपति, गजानन, गजवंदन, मूषकवाहन, लम्बोदर, एकदन्त, विनायक, भवानीनन्दन।
१६) गृह - घर, निकेतन, भवन, सदन, धाम, गेह, सद्म, मन्दिर।
१७) चंदन - मलय, दिव्यगंध, हरिगंध, दारुसार, मलयज।
१८) चन्द्रमा - शशि, इन्दु, सुधाकर, निशाकर, रजनीपति, सुधांशु, चाँद, हिमांशु, राकेश, मृगांक, कलानिधि।
१९) जल - पानी, नीर, सलिल, पय, वारि, अम्बु, उदक, तोय।
२०) जंगल - वन, कानन, अटवी, विजन, अरण्य, विपिन।
२१) ज्योति - प्रकाश, लौ, प्रभा, अग्निशिखा।
२२) तोता - शुक, सुआ, कीर, सुग्गा, सुअटा।
२३) तलवार - असि, खड़ग, खंग, करवाल, चन्द्रहास।
२४) दास - नौकर, सेवक, किंकर, भृत्य, परिचारक।
२५) दुख - कष्ट, व्यथा, पीडा, क्लेश, वेदना, खेद, संताप।
२६) द्रव्य - धन, अर्थ, वित्त, सम्पदा, सम्पत्ति, दौलत।
२७) दया - करूणा, कृपा, प्रसाद, अनुकंपा, अनुद्‌रह।
२८) धरती - धरा, वसुधा, पृथ्वी, मेदिनी, वसंुधरा, धरणी, धरित्री, मही, अचला, अवनि, भू।
२९) नारी - महिला, स्त्री, अबला, ललना, औरत, वामा।
३०) नाग - सर्प, साँप, अहि, व्याल, भुजंग, विषधर, उरग।
३१) निर्मल - अमल, पावन, पवित्र, विमल, स्वच्छ, निष्कलुष।

३२) पति - स्वामी, नाथ, कंत, भर्तार, बल्लभ, बालम, मालिक।
३३) पुत्री - बेटी, सुता, तनया, दुहिता, आत्मजा।
३४) पत्नी - भर्या, कलत्र, वधू, बहू, गृहिणी, दारा, अर्धांगिनी
३५) पुत्र - सुत, बेटा, तनय, आत्मज, पूत, लड़का।
३६) बिजली - विद्युत, दामिनी, सौदामिनी, चपला, तड़ित, क्षणप्रभा, बीजुरी।
३७) बादल - घन, जलद, मेघ, पयोद, वारिद, नीरद, पयोधर।
३८) भौंरा - भ्रमर, भृंग, भँवरा, अलि, मधुप, मधुकर।
३९) मित्र - सखा, साथी, सहचर, सुहृद, दोस्त, मीत
४०) मदिरा - सुरा, वारूणी, मद, शराब, हाला, दारू।
४१) मुनि - तापस, यति, संत, साधु, सन्यासी, वैरागी।
४२) रात - निशा, रात्रि, यामिनी, रजनी, शर्वरी।
४३) संसार - लोक, जग, जगत, भुवन, दुनिया, विश्व।
४४) सिंह - केहरी, मृगेन्द्र, शेर, केशरी, शार्दूल, वनराज।
४५) सागर - समुद्र, सिंधु, पारावार, जलधि, नदीश, नीरनिधि, पयोधि, पयोनिधि, वारीश, रत्नाकर।
४६) सोना - स्वर्ण, सुवर्ण, कंचन, हेम, कनक, हाटक।
४७) सेवक - दास, भृत्य, अनुचर, चाकर, किंकर, परिचारक।
४८) हवा - समीर, अनिल, पवन, वायु, बयार, वात।
४९) हिमालय - हिमाद्रि, पर्वतराज, हिमगिरि, हिमाचल, नगपति, गिरिश।
५०) हाथी - गज, दन्ती, कुंजर, वारण, हिरद, मतंग, वितुण्ड, द्विप, नाग, कटी, कुम्भी।

## परिशिष्ट – २

### विलोम शब्द / विपरितार्थक शब्द

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १) | अनिवार्य | - | ऐच्छिक | २६) | भूषण | - | दूषण |
| २) | आलोक | - | अंधकार | २७) | मृदु | - | कठोर |
| ३) | आरोह | - | अवरोह | २८) | निरपेक्ष | - | सापेक्ष |
| ४) | इहलोक | - | परलोक | २९) | पण्डित | - | मूर्ख |
| ५) | उत्थान | - | पतन | ३०) | प्रसाद | - | विषाद |
| ६) | उत्तीर्ण | - | अनुत्तीर्ण | ३१) | बाढ | - | सूखा |
| ७) | ऐतिहासिक | - | अनैतिहासिक | ३२) | भोगी | - | योगी |
| ८) | क्रय | - | विक्रय | ३३) | महात्मा | - | दुरात्मा |
| ९) | खण्डन | - | मण्डन | ३४) | राजा | - | रंक . प्रजा |
| १०) | क्षर | - | अक्षर | ३५) | विधि | - | निषेध |
| ११) | गाढा | - | पतला | ३६) | विक्रय | - | क्रय |
| १२) | गोचर ü | - | अगोचर | ३७) | व्यर्थ | - | सार्थक |
| १३) | घटना | - | बढना | ३८) | श्रव्य | - | दृश्य |
| १४) | चेतना | - | मूर्च्छा | ३९) | श्वेत | - | श्याम |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| १५) जटिल | - | सरल | ४०) सजल | - | निर्जल |
| १६) ज्वार | - | भाटा | ४१) संयोग | - | वियोग |
| १७) दास | - | स्वामी | ४२) संदिग्ध | - | असंदिग्ध |
| १८) दुराचारी | - | सदाचारी | ४३) विष | - | अमृत |
| १९) निर्दोष | - | सदोष | ४४) विशेष | - | सामान्य |
| २०) नैसर्गिक | - | कृत्रिम | ४५) विस्मरण | - | स्मरण |
| २१) चिरंतन | - | नश्वर | ४६) शुष्क | - | आर्द्र |
| २२) तटस्थ | - | पक्षपाती | ४७) श्वास | - | उच्छवास |
| २३) दृश्य | - | अदृश्य | ४८) स्वीकृति | - | अस्वीकृति |
| २४) निर्गुण | - | सगुण | ४९) सुलभ | - | दुर्लभ |
| २५) पतिव्रता | - | कुलटा | ५०) सूक्ष्म | - | स्थूल |

## परिशिष्ट – ३

### अनेकार्थक शब्द

| | | |
|---|---|---|
| १) अँचल | - | १. प्रदेश या प्रांत का एक भाग, क्षेत्र २. नदी का किनारा ३. पल्लू |
| २) अंजाम | - | १. फल २. नतीजा ३. समाप्ति ४. पूर्ति |
| ३) अंत | - | १. समाप्ति २. नाश ३. मृत्यु ४. परिणाम ५. सीमा |
| ४) अंध | - | १. अंधा २. विचारहीन ३. अचेत ४. अज्ञान ५. नेत्रहीन व्यक्ति |
| ५) अंबर | - | १. आकाश २. वस्त्र ३. परिधि ४. एक सुगंधी खनिज |
| ६) अंभोज | - | १. कमल २. कपूर ३. चंद्रमा ४. शंख |
| ७) अगाध | - | १. अथाह २. अपार ३. अज्ञेय ४. गहरा छेद |
| ८) अच्छा | - | १. भला २. उचित ३. सुन्दर ४. सकुशल ५. सम्पन्न ६. कामजचाऊ |
| ९) अधिकार | - | १. प्रभुत्त्व २. हक ३. स्थान ४. कब्जा ५. हुकूमत ६. विषय |
| १०) अपकार | - | १. उपकार का उल्टा २. बुराई ३. अहित ४. अपमान ५. अत्याचार |
| ११) अपवाद | - | १. बदनामी २. लांछन ३. खण्डन ४. सामान्य नियम से भिन्न बात |
| १२) अभिरूचि | - | १. शौक २. झुकाव ३. विशेष ४. अभिलाषा |
| १३) अलोक | - | १. अदृश्य २. निर्जन ३. पुण्यहीन ४. पातालादि लोक |
| १४) अवनति | - | १. झुकाव २. गिरावट ३. उतार ४. कमी ५. दंडवत ६. विनम्रता |
| १५) उदात्त | - | १. ऊँचा २. महान ३. उदार ४. श्रेष्ठ ५. स्पष्ट |
| १६) उपराग | - | १. रंग २. लालरंग ३. लाली ४. दुर्व्यवहार ५. निंदा |
| १७) उपल | - | १. ओला २. पत्थर ३. बादल ४. रत्न |
| १८) कन | - | १. कण २. प्रसाद ३. भीख ४. कान |
| १९) कनक | - | १. सोना २. धतूरा ३. गेहँू |
| २०) कादंबरी | - | १. शराब २. कोकिला ३. मैना ४. बाणभट्ट की रचना |
| २१) काम | - | १. कार्य २. मतलब ३. संबंध ४. स्वार्थ ५. नौकरी |

२२) कार्य - १. काम २. धंधा ३. धार्मिक कृत्य ४. कर्तव्य ५. परिणाम ६. प्रयोजन
२३) कुल - १. परिवार २. वंश ३. समूह ४. घर ५. जाति
२४) क्षम - १. सहनशील २. चुप रहनेवाला ३. समर्थ ४. क्षमा करनेवाला
२५) क्षेत्र - १. खेत २. स्थान ३. उत्पत्ति स्थल ४. भूमि ५. जमीन ६. मैदान ७. सीमा-बध्द जगह
२६) खराब - १. बुरा, हीन २. नष्ट, बरबाद ३. दुश्चरित्र ४. बिगडा हुआ
२७) खल - १. दुष्ट, दुर्जन २. अधम, नीच ३.निर्लज्ज ४. धोखेबाज ५. चुगलखोर
२८) गजब - १.अँधेरा २. क्रोध, कोप ३. विपत्ति, संकट
२९) गण - १. समूह २. गिरोह ३. वर्ण ४. संघ ५. अनुचर वर्ग ६. दूत ७. सेवक
३०) गरिमा - १. महिमा, महत्त्व २. अहंकार, घमंड ३. गुरूत्त्व ४. आत्मश्लाघा
३१) गुण - १. निजी विशेषता २. निपुणता ३. हुनर ४. प्राकृतिक वृत्तियाँ ५. लक्षण
३२) गुरू - १. पूज्य २. वजनदार, भारी ३. बडा ४. कठिन ५. दीर्घ मात्रा
३३) गो - १. गाय २. इंद्रिय ३. वाणी ४. जिह्वा ५. दृष्टि ६. दिशा ७. माता
३४) गौरव - १. बड़प्पन, महत्त्व २. गुरूता ३. आदर, सम्मान ४. मर्यादा, प्रतिष्ठा
३५) घन - १. मेघ, बादल २. कपूर ३.बहूत बड़ा हथौडा ४. किसी अंक को किसी अंक से गुणा करने पर प्राप्त होनेवाला गुणनफल
३६) चक्कर - १. पहिया २. चक्र ३. घेरा, मंडल ४. मोडोंवाला मार्ग ५. फेरा ६. हैरानी, उलझन ७. धोखा
३७) चरण -१. पाँव २. सामीप्य ३. श्लोक का चतुर्थांश ४. काल, मान आदि का चौथाई भाग
३८) चरित्र - १. आचरण, चाल-चलन २. कार्यकलाप ३. स्वभाव, गुणधर्म ४. जीवन-चरित्र, जीवनी
३९) चोट - १. घाव २. आघात, प्रहार ३. क्लेश, दुःख ४. संताप ५. व्यंग्य, कटाक्ष ६. छल-कपट
४०) जाति - १. वंश, कुल २. जन्म, उत्पत्ति ३. वर्ण ४. वर्ग ५. जात
४१) जिगर - १. कलेजा २. साहस, हिम्मत ३. चित्त, मन
४२) ज्ञान - १. बोध, जानना, जानकारी २. विद्या ३. पदार्थ को ग्रहण करने वाली मन की वृत्ति ४. आत्म साक्षात्कार
४३) टीप - १. जन्मपत्री २. हुंडी ३. दस्तावेज ४. टिप्पणी
४४) डंड - १. डंडा, सोंटा २. बाहु-दंड, भुजा ३. सजा, दंड ४. घाटा
४५) डोरा - १. मोटा तागा २. धारी, रेखा ३. आँख की पतली लाल नसें ४. सुराग, सूत्र ५. प्रेम का बंधन
४६) ढाबा - १. रोटी आदि की दुकान २.ओलती ३. जाल ४ परछत्ती ५. टोकरा, खाँचा
४७) तकाजा - १. तगादा, माँगना २. अच्छा ३. आवश्यकता ४. आदेश ५. अनुरोध
४८) तत्त्व - १. वास्तविकता २. सार ३. जगत का मूल कारण, ईश्वर ४. घटक
४९) तनु - १. दुबला-पतला, कृश २. अल्प, थोडा ३. तुच्छ ४. छिछला ५. कोमल ६. अच्छा, बढिया ७. विरल
५०) तम - १. अंधकार २. कालिख, कालिमा ३. अज्ञान, अविद्या ४. मोह, माया ५. क्रोध, गुस्सा

## परिशिष्ट - ४

### वाक्यांश के लिए एक शब्द

१) जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो - अतिथि
२) जिसका कोई नाथ न हो - अनाथ
३) जिसका निवारण न किया जा सके - अनिवार्य
४) आदि से अन्त तक - आद्योपान्त
५) जिसके समान कोई दूसरा न हो - अद्वितीय
६) जिसे इन्द्रियों के द्वारा समक्षा न जा सके - अगोचर

७) जिसकी गणना न की जा सके - अगणित
८) जिस पर किसी ने अधिकार प्राप्त कर लिया हो - अधिकृत
९) जिसने नीचे हस्ताक्षर किए हों - अधोहस्ताक्षरी
१०) किसी देश के प्राचीन मूल निवासी - आदिवासी
११) जो अपनी इच्छा के अधीन हो या अपनी इच्छा पर निर्भर हो - ऐच्छिक
१२) जो काम से जी चुराता हो - कामचोर
१३) जो किये गये उपकार को न माने - कृतघ्न
१४) जो किये गये उपकार को मानता हो - कृतज्ञ
१५) जो कार्य करने योग्य हो - करणीय
१६) जो कला की रचना करता है - कलाकार
१७) अपने मन के भावों को गुप्त रखने वाला - घुन्ना
१८) जो जानने की इच्छा रखता हो - जिज्ञासु
१९) जो किसी गुट का सदस्य न हो - तटस्थ
२०) जो तत्त्व को जानता हो - तत्त्वज्ञानी
२१) जिसका दमन करना कठिन हो - दुर्दम
२२) बहुत दूर (आगे - भविष्य) तक देखने वाला - दूरदर्शी
२३) जिसके कोई संतान न हो - निस्संतान
२४) अक्षर पढ़ने -लिखने के ज्ञान से रहित - निरक्षर
२५) किसी काम के बदले किसी शुल्क का न लेना - नि:शुल्क
२६) जो रात को घूमता हो - निशाचर
२७) जो देश - विदेश का भ्रमण करता हो - पर्यटक
२८) जिसे पति ने छोड दिया हो - परित्यक्ता
२९) जिसने सुन- सुन कर ज्ञान प्राप्त किया हो - बहुश्रुत
३०) जो पहले था - भूतपूर्व
३१) जो भाषा विज्ञान का ज्ञाता होता - भाषविद्
३२) कम बोलने वाला - मितभाषी
३३) जमीन का हिसाब - किताब रखने वाला - लेखपाल
३४) व्याकरण जानने - रचने वाला - वैयाकरण
३५) जो किसी विषय का जानकार हो - विशेषज्ञ
३६) जिसकी आवृत्ति वर्ष में एक बार हो - वार्षिक
३७) जो अधिक बोलता हो - वाचाल
३८) जो सुनने योग्य हो - श्रव्य
३९) शत्रुओं को मारने वाला - शत्रुघ्न
४०) एक ही माता से जम्न लेने वाला (भाई) - सहोदर
४१) जिसने पुण्य कार्य हेतु प्राण दिए हो - हुतात्मा
४२) जो बीत चुका हो - अतीत
४३) जो पुस्तक आदि की आलोचना करता हो - आलोचक
४४) बिना सोचे - समझे विश्वास करने वाला - अंधविश्वासी
४५) ऐसी भूमि जिसमें खूब पैदावार हो - उर्वरा

४६) जिसका मन किसी से उचट गया हो - उदासीन
४७) बार - बार कही गई उक्ति - पुनरुक्ति
४८) सोच- समझकर सीमा में खर्च करने वाला - मितव्ययी
४९) जिसमें कोई विकार आ गया हो - विकृत
५०) जिसका वर्णन न किया जा सके - वर्णनातीत

## परिशिष्ट - ५

### मुहावरे और उसके अर्थ

१) अंगूठा दिखाना - एन मौके पर मना कर देना, धोका देना, चिढ़ाना
२) अक्ल पर परदा पड़ना - अक्ल खराब होना
३) अपना उल्लू सीधा करना - अपना काम निकालना
४) आँख भौं सिकोड़ना - पसन्द न करना
५) आग बबुल होना - अत्यन्त क्रोधित होना
६) अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना - अपनी हानि स्वयं करना
७) आग में घी डालना - उत्तेजित करना
८) आग लगने पर कुआँ खोदना - विपत्ति आने पर प्रतिकार का उपाय सोचना
९) आटे दाल का भाव मालूम होना - यथार्थ से परिचित हो जाना
१०) ईद का चाँद होना - बहुत दिनों बाद दिखाई पड़ना
११) उँगली उठाना - किसी की बुराई की ओर संकेत करना
१२) उन्नीस- बीस का अन्तर होना - बहुत थोड़ा फर्क होना
१३) कलेजा ठण्डा होना - संतोष होना
१४) कान का कच्चा होना - झूठी बात का विश्वास कर लेना
१५) गड़े मुर्दे उखाड़ना - पुरानी बातों को दुहराना या बार-बार याद दिलाना
१६) गुड़ -गोबर करना - बने बनाये काम को बिगाड़ लेना
१७) गागर में सागर भरना - थोंडे शब्दों में बहुत बडा और व्यापक अर्थ दे देना
१८) गिरगिट की तरह रंग बदलना - बहुत शीघ्र विचार अथवा किसी निश्चय को बदलते जाना
१९) घाट - घाट का पानी पीना - अनेक स्थानों का अनुभव प्राप्त कर लेना
२०) चुल्लू भर पानी में डूब मरना - अत्यन्त लज्जित होना
२१) चोली -दामन का साथ होना - बहुत मेल होना
२२) ठग - सा रह जाना - आश्चर्य चकित रह जाना
२३) डींग मारना - अपनी मिथ्या प्रशंसा करना
२४) ढिंढोरा पीटना - प्रचार करना या करते रहना
२५) तिल का ताड़ करना - छोटी सी बात को बहुत बड़ा बनाना
२६) तारे गिनना - बैचेनी से रात काटना
२७) तलवे चाटना - खुशामद करना
२८) दुम दबा कर भागना - भयभीत होकर भाग जाना
२९) दौड़धूप करना - जी-तोड परिश्रम करना
३०) धज्जियाँ उडाना - दुर्गति करना

| | | |
|---|---|---|
| ३१) फूँक-फूँक कर कदम रखना | - | सतर्कतापूर्वक काम करना |
| ३२) बगलें झाँकना | - | निरुत्तर हो जाना |
| ३३) रंग में भंग डालना | - | मजा खराब कर देना या अच्छे काम में व्याथात उत्पन्न करना |
| ३४) होश ठिकाने लगना | - | घमण्ड चूर कर देना |
| ३५) कफन सिर से बाँधना | - | बड़े से बडा त्याग कने के लिए उद्यत हो जाना |
| ३६) चिराग लेकर ढुंढना | - | बहुत कोशिश करके तलाशना |
| ३७) चौकडी भूल जाना | - | कोई उपाय न सूझना |
| ३८) जबान पर लगाम लगाना | - | चुप हो जाना |
| ३९) बगुला भगत होना | - | ठग होना |
| ४०) हवा में घोडे पर सवार होना | - | बहुत उतावली में होना |
| ४१) राई का पर्वत करना | - | बढा चढा कर कहना |
| ४२) कागजी घोडे दौडाना | - | कोरा पत्र-व्यवहार करते रहना |
| ४३) काफूर हो जाना | - | यकायक गायब हो जाना |
| ४४) गले का हार होना | - | अत्यन्त प्रिय होना |
| ४५) घास खोदना | - | व्यर्थ में समय बरबाद करना |
| ४६) जान जोखिम में डालना | - | ऐसा कार्य करना जिसमें जान जाने का डर हो |
| ४७) पत्थर कली लकीर होना | - | स्थिर होना |
| ४८) पापड बेलना | - | कई तरह के काम करना, कठिन परिश्रम करना |
| ४९) सीधी उँगली से घी न निकलना | - | सीधेपन या विनम्रता से काम न होना |
| ५०) जहर का घूँट पीना | - | अपमान सह जाना |

## कहावतें और उनके अर्थ

| | | |
|---|---|---|
| १) खरी मजदूरी चोखा दाम | - | अच्छा काम अच्छा दाम |
| २) कोयले की दलाली में हाथ काले हाना | - | बुरे काम का परिणाम भी बुरा होता है |
| ३) घर का भेदी लंका ढावे | - | अपने ही पराये बन कर शत्रुता निभाते हैं, घरेलु शत्रू प्रबल होता है |
| ४) चोर की दाढी में तिनका | - | अपराधी स्वयं भयभीत हो जाता है |
| ५) उल्टे बांस बरेली को | - | विरूध्द कार्य करना |
| ६) काला अक्षर भैंस बराबर | - | निरक्षर होना |
| ७) चिराग तले अंधेरा | - | उपदेशक या प्रबोधक होकर बुरा कार्य करना |
| ८) मुँह में राम बगल में छुरी | - | धोखेबाजी करना |
| ९) होनहार बिरवान के होत चीकने पात | - | भविष्य में उन्नति करने वालो के लक्षण पहले से ही दिखने लगते हैं |
| १०) ठण्ड लोहा गरम लोहे को काटता है | - | शांति से ही क्रोध पर विजय पाई जा सकती है |
| ११) दाल में काला होना | - | सन्देह का अनुभव होना |
| १२) दाँतों तले ऊँगली दबाना | - | आश्चर्यचकित रह जाना |
| १३) गोद में छोरा जगत में ढिंढोरा | - | पास में रखी हुई वस्तु को दूसरी जगह खोजते फिरना |
| १४) जहाँ न जाये रवि वहाँ जाये कवि | - | सीमातीत कल्पना करना |

१५) दूध का जला छाछ को भी फूँक-फूँक कर पीता है - एक बार धोका खाकर व्यक्ति फिर सतर्क हो जाता है

१६) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी - कारण को ही नष्ट करना देना
१७) कमान से छूटा तीर फिर लौटता नहीं हैं - मुख से निकली बात का कोई उपाय नहीं है
१८) चांदी की रातें सोने के दिन - सभी प्रकार का सुख होना
१९) झूठ के पाँव नहीं होते - असत्य अधिक देर तक टिक नहीं सकता
२०) दूध का दूध पानी का पानी करना - सही और सच्चा न्याय करना
२१) रस्सी जली, ऐंठन रह गई - सर्वनाश होने पर भी अभिमान करना
२२) अरहर की टट्टी गुजराती ताला - छोटी वस्तु की रक्षा के लिए अधिक व्यय करना
२३) अपना रख, पराया चख - अपना बचा कर दूसरों का हड़प करना
२४) आप भला तो जग भला - भले आदमी को सब लोग भले ही लगते हंै
२५) नाम बड़े और दर्शन खोटे - गुण से अधिक बड़ाई
२६) नाच न जाने आंगन टेढ़ा - अपनी कमी साधनों के सिर मंढना
२७) मन चंगा तो कठौती में गंगा - पवित्र ही तीर्थ है
२८) भागते भूत की लंगोट भली - कुछ न मिलने से जो कुड मिल जाये, अच्छा है
२९) नीम हकीम खतर-ए-जान - अल्पज्ञ का भरोसा नहीं करना चाहिए
३०) गरजे जो बरसे नहीं - शोर मचाने वाला कुछ करता नहीं है